दिनांक 2.11.98

सेवामें,

श्री अटलबिहारी वाजपेयी महोदय,
प्रधानमंत्री, भारतसरकार ।

विषय : ग्रामीण विकास हेतु सार्थक रणनीति (सुझाव)

मान्यवर,

विगत 50 वर्षों में भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों केविकास हेतु अनेक योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए हैं जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, साक्षरता, कुटीर उद्योग, कृषि तथा पशुपालन इत्यादि से सम्बन्धित रहे हैं । लेकिन इनमें से अधिकांश कार्यक्रम न्यूनाधिक मात्रा में अल्पप्रभावी रहे हैं क्योंकि विकास के मूल आधार को नकार दिया गया है ।

वस्तुतः ग्रामीण विकास, सड़क (परिवहन) तथा बिजली (ऊर्जा) सुविधाओं पर निर्भर करता है। यदि ये दो मूलभूत सुविधाएं किसी गांव में नहीं हैं तो सामाजिक- आर्थिक विकास की कोई नीति या कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता है। इस सम्बन्ध में मेरा एक शोध कार्य "कुरुक्षेत्र, अगस्त 1998" में प्रकाशित हुआ है तथा आगे शोध जारी है। आपसे निवेदन है कि कृपया ग्रामीण विकास के अन्य कार्यक्रमों को दो बरसों के लिए रोक कर केवल सड़क तथा बिजली सुविधा प्रसार पर ध्यान केन्द्रित किया जाए। शेष विकास कार्य स्वतः ही गति प्राप्त कर लेंगे। आशा है आप इस विषय पर गंभीरता से मनन कर प्रयास करेंगे ।

सादर

भवदीय

(डॉ. सुरेन्द्र कुमार कटारिया)
पोस्ट बॉक्स नं. 20
सीकर- 332001 राज.

प्रतिलिपि वास्ते सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु
(1) श्री जसवंत सिंह, उपाध्यक्ष योजना आयोग
(2) सचिव, ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय

Scanned with OKEN Scanner